पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 3, अंक 29 | माह - अगस्त 2021, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥ विचार समिति ॥

(स्थापना वर्ष 2003)

गोबर से गणेश बनाना

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष
मो. 9009780020

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष
मो. 8462880439

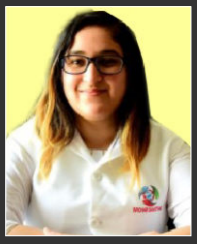

आकांक्षा मलैया
सचिव
मो. 9165422888

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

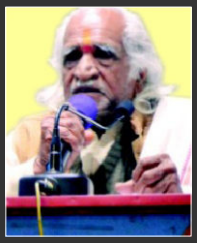

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

पता - 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि. के पीछे, सागर (म.प्र.) - 470002

हेल्पलाइन नं. 9575737475, 07582-224488

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 3, अंक - 29, अगस्त - 2021

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

Email: sanstha.vichar@gmail.com

Phone: 9575737475

07582-224488

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

इस अंक में

लेख :-

1. कोरोना वायरस : डेल्टा प्लस वेरियंट 4

विचार संस्था की गतिविधियां :-

1. विचार समिति इंटर्नशिप के माध्यम से
विद्यार्थियों एवं समाज को संदेश 6

2. इंटर्नशिप के माध्यम से युवाओं ने व्यवहारिक
ज्ञान प्राप्त कर विकास में दिया योगदान 9

3. स्वतंत्रता दिवस पर होगा
1100 जगह झंडा वंदन 13

4. सीडबॉल ले रहे जंगल का आकार..... 14

5. समूह का उद्देश्य परस्पर सहयोग से महिलाएं
आत्मनिर्भर बन सकें : रूपेश खरे..... 15

6. विचार समिति द्वारा बनाए गये स्व सहायता
समूह सुचारू रूप से बैठक कर रहे हैं 17

7. गोबर से गणेश बनाना 21

8. विजन 2025 22

मीडिया कवरेज :- 23

कोरोना वायरस : डेल्टा प्लस वेरियंट

डॉ. अखिलेश जैन
कंसलटिंग चेस्ट फिजिशियन

आज लगभग सभी लोगों के मन में कहीं न कहीं डेल्टा प्लस वेरिएंट की खबरों ने उथल पुथल मचा रखी है। मैं इन वेरिएंट के बारे में कुछ जानकारी आपके मन में चल रहे प्रश्नों के माध्यम से हल करने की कोशिश करूंगा।

प्रश्न 1. ये वेरिएंट होते क्या है ?

- देखिये कोई भी वायरस हो उसका एक जीनॉमिक स्ट्रक्चर होता है ऐसे ही कोरोना वायरस का भी अपना एक जीनॉमिक स्ट्रक्चर है जो की उसके लक्षणों को निर्धारित करता है। वायरस के जीन (जीनॉमिक स्ट्रक्चर) में होने वाले परिवर्तन अलग-अलग वेरिएंट को जन्म देते है। वायरस का रेप्लीकेशन (प्रतिकृति) ही इन म्युटेशन का मुख्य कारण होता है। वायरस के रेप्लीकेशन के दौरान उसके जेनेटिक स्ट्रक्चर में होने वाले परिवर्तन (म्युटेशन) ही नय वेरिएंट का कारण होते हैं। वायरस जितना एक दूसरे में स्प्रेड (फैलेगा), उसके रेप्लीकेशन की संभावना बढ़ेगी अर्थात नये वेरिएंट की उत्पत्ति की संभावनाएं और अधिक हो जाती है। इसलिए वायरस का स्प्रेड (फैलाव) रोकने के लिए मास्क, सामाजिक दूरी और हैंड वाश बहुत जरुरी है

प्रश्न 2. अभी तक कितने वेरिएंट विश्व स्तर पर देखे गए ?

- मुख्यता अल्फा, बीटा, डेल्टा और गामा वेरिएंट विश्व के अलग अलग स्थानों पर मिले हैं। इसके अलावा भी लेमडा, डेल्टा प्लस इत्यादि वेरिएंट के होने की पुष्टि हुई है।

प्रश्न 3. नये वेरिएंट के लक्षण (विशेषतायें) किन तथ्यों से निर्धारित होते हैं।

- किसी भी वेरिएंट की गंभीरता को मुख्यता तीन तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

1. उसके फैलने की क्षमता अर्थात एक ग्रसित व्यक्ति कितने लोगों को ग्रसित कर सकता है मतलब वेरिएंट की संक्रमण दर क्या है?
2. वह वेरिएंट ग्रसित व्यक्ति में कितनी गंभीर बीमारी ला सकता है।
3. नय वेरिएंट पर पहले से आई हुई प्रीतिरोधक क्षमता (या तो वैक्सीन के माध्यम से आई हो या पहले अन्य वेरिएंट के माध्यम से हुए इन्फेक्शन से आई हो) का कितना प्रभाव है ?

प्रश्न 4. वायरस के इन प्रकारों (वेरिएंट) को किस आधार पर विभाजित किया जाता है

मुख्यता वेरिएंटस को दो श्रेणियों में विभाजित करते है।

1.वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट
2. वेरिएंट ऑफ कंसर्न

वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट की श्रेणी में ऐसे वायरस के प्रकार आते हैं जिनके ज्यादा संक्रमण और गंभीर बीमारी होने की सम्भावना होती है।

वेरिएंट ऑफ कंसर्न में वायरस के ऐसे प्रकार आते हैं जिसके अधिक संक्रमण दर, गंभीर बीमारी और ग्रसित व्यक्ति में पिछली प्रीतिरोधक

क्षमता का असर कम होने के प्रमाण मिलें हैं। अभी तक अल्फा, बीटा, डेल्टा और गामा को डब्लूएचओ ने वेरिएंट ऑफ कंसर्न की श्रेणी में रखा है।

प्रश्न 5. इंडिया में डेल्टा प्लस को वेरिएंट ऑफ कंसर्न क्यों कहा गया?

- अभी तक ऐसे कोई भी प्रमाण नहीं मिले हैं जिसके आधार पर यह कहा जाये डेल्टा प्लस वेरिएंट की संक्रमण दर, गंभीरता और पिछली एंटीबॉडीज से बचने की क्षमता ज्यादा है इसलिए डेल्टा प्लस को वेरिएंट ऑफ कंसर्न की श्रेणी में रखना बहुत जल्दबाजी होगी। हां डेल्टा प्लस वेरिएंट में मिलने वाला म्युटेशन बीटा वेरिएंट से मिलाप खाता है इसलिए ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि हो सकता है डेल्टा प्लस वेरिएंट की संक्रमण दर, गंभीरता और वैक्सीनेशन से बचने की क्षमता ज्यादा हो।

जहां तक मेरा मानना है ऐसे व्यक्ति जो की पहली लहर और दूसरी लहर में संक्रमित हो चुके हैं और ऐसे लोग जिनके दोनों वैक्सीन के डोज लग चुके हैं उनके डेल्टा प्लस वेरिएंट के कारण गंभीर बीमारी होने के ना के बराबर चांस है क्योंकि पिछले इन्फेक्शन से आने वाली प्रीतिरोधक क्षमता नय वेरिएंट पर जरूर काम करेगी जिसे विज्ञान की भाषा में 'क्रॉस प्रोटेक्शन' कहते हैं परन्तु मास्क, हैंड वाश और सामाजिक दूरी रखना सभी लोगों के लिए अनिवार्य है।

प्रश्न 6. तीसरी लहर कब आएगी और जनता के लिए कितनी घातक होगी ?

- संभवतः अक्टूबर-नवंबर में तीसरी लहर आने की संभावना हैं। लहर की गंभीरता भी जनता पर निर्भर करेगी। अभी भी कई लोग वैक्सीन का परहेज कर रहे हैं। मुख्यता ऐसे लोग जो पहली और दूसरी लहर से बच गए हैं। यकीन मानिये ऐसे लोग जो कि पहली अथवा दूसरी लहर में संक्रमित नहीं हुए हैं और वैक्सीन का भी परहेज कर रहे हैं उनका तीसरी लहर में गंभीर होने की बहुत ज्यादा संभावनाएं हैं।

प्रश्न 7. तीसरी लहर बच्चो पर क्या असर डालेगी?

- बच्चों के तीसरी लहर में संक्रमित होने की बहुत संभावनाएं हैं उसका मुख्य कारण पहली और दूसरी लहर से संक्रमित न होने के कारण और वैक्सीनेशन न होने की वजह से बच्चों में क्रॉस प्रोटेक्शन की बहुत कम संभावना है। बच्चों को गंभीर संक्रमण से बचाने के केवल दो तरीके हैं।

या तो बच्चों में भी वैक्सीनेशन शुरू किया जाये, जो की सरकार के लिए मुश्किल टास्क है या फिर हम खुद से बच्चों को बचाकर रखें क्योंकि हम बच्चों के लिए बिना लक्षणों वाले कैरीअर का काम करेंगे।

आखिर में जनता से यही अपील करूंगा –

- वैक्सीन के दोनों डोज हमारी जिंदगी के लिए बहुत जरुरी है।
- सही ढंग से मास्क का उपयोग करना बहुत अनिवार्य है।
- हैंड सेनेटाईजेशन के नियमों का सही तरीके से पालन करें।
- सामाजिक दूरी का पालन करें।

विचार समिति इंटर्नशिप के माध्यम से विद्यार्थियों एवं समाज को संदेश

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष
विचार समिति

मुझे बहुत अच्छा लग रहा है युवा वर्ग से बात करने का इस इंटरशिप के माध्यम से मौका मिल रहा है! मैं सबको यही बताना चाहता हूं जीवन है तो संघर्ष है, हमारी सृष्टि ही ऐसी है कि हमेशा परिस्थितियां बदलती रहती हैं। जो देश अपने आप को विकसित कर चुके हैं लेकिन हम देखें हाल ही में प्रकृति में बदलाव हुए। ब्राजील, जर्मनी जैसे देशों को बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका में तापमान में हुई वृद्धि से जंगलों में आग लग गई । ब्रिटेन में जहां 10 डिग्री तापमान रहता था वहा 30, 32 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई । प्रकृति बदलाव पूर्ण ही है जीवन की बहुत सी चीजों पर हमारा नियंत्रण नहीं होता

हम जब भी सामाजिक कार्य करने को तैयार होते हैं तो सब कुछ हमारे नियंत्रण में नहीं होता यह निर्भर करता है जिस को बदलना है। जब हम कोई कार्य करने जा रहे हों तो उसमें बहुत सारी कमियां निकालने वाले मिलेंगे। समाज में बदलाव लाना है तो हमें कार्य को ध्यान पूर्वक करना होता है। अच्छा होगा हम जो भी करें चिंता न करके, चिंतन से समस्या का समाधान निकालना चाहिए । कहने का यथार्थ यही है कि जीवन में अचानक परिवर्तन के लिए तैयार रहना चाहिए । दूसरा है कि चुनौतियों का सामना कर नया रास्ता निकालना चाहिए। तीसरा यह कि हमें समाज में दो तरह के उद्देश्य - व्यापक लक्ष्य, छोटे लक्ष्य लेकर चलना चाहिए। उदाहरण के लिए आज किसी को कोई जरूरत है तो उसे पूरी करने के लिए छोटे उद्देश्य, व्यापक लक्ष्य के अंतर्गत यह 5 साल के अंदर शिक्षा के क्षेत्र में ऐसी परिस्थितियां बनानी है जिससे शिक्षा समाज उपयोगी बन सके। सामान्यतः लोग समय के मामले में दो लक्ष्य बना लेते हैं लेकिन मैं आपसे ज्योग्राफिकल स्थिति के बारे में लक्ष्य लेने को कह रहा हूं हम ज्यादातर समाज सेवा के लिए विचार करते हैं तो विश्व स्तरीय सोचते हैं या राष्ट्रीय स्तर पर जिसमें दुनिया में क्या चल रहा है जो सबसे बड़ा विषय चल रहा है हम उसको पकड़ते हैं, जिसमें वृद्धाश्रम, पशुओं के लिए कार्य आदि। यह पहले से स्थापित मनस्थिति है, किंतु हमारे आसपास कौन परेशान हैं इसकी परवाह कितने लोग करते हैं, शायद बहुत कम लोग करते हैं। समाज सेवा के लिए लोग घर से निकलेंगे उनके सामने कोई व्यक्ति परेशान बैठा होगा उनसे कहेगा

भाई साहब या बहन जी मुझे आपसे दो मिनट बात करनी है उससे हम कहेंगे अभी समय नहीं है, अभी मीटिंग में जाना है वहां जाकर ग्लोबल वार्मिंग, वृक्षारोपण पर बात करेंगे हमें ग्लोबल वार्मिंग, वृक्षारोपण पर बात करनी चाहिए। यह हमारे व्यापक दृष्टिकोण से जुड़ा होता है साथ ही छोटे दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए कार्य करना चाहिए। हमारे आसपास के माहौल में क्या कोई परेशान है, क्या किसी को किसी चीज की जरूरत है। ये कार्य बिना इन्फ्राट्रक्चर या धन के भी किए जा सकते हैं। आये दिन हम ऐसा कोई न कोई केस देखते हैं कि कोई बच्ची छेड़खानी से परेशान होकर आत्महत्या कर लेती है , शायद जब उसने बताया होगा कि कोई उसे परेशान कर रहा है उस समय 10-15 युवा उसे उसी समय समझा देते तो शायद ऐसी स्थिति नहीं बनती। आप एक बार विचार जरूर करना। आप उस स्थिति में होते तो क्या होता? उस स्थिति में उस बच्ची पर क्या गुजर रही होगी? उसने कैसे पढ़ाई की होगी? क्या कार्य किया होगा? यह हमारे समाज की युवा वर्ग की जिम्मेदारी है कि वे अपने समाज का माहौल अच्छे से बनाएं जिसमें सभी निश्चिंत होकर अपना कार्य कर सकें। जब हम कोई कार्य करें तो उसकी सफलता एक मजबूत नेटवर्क पर निर्भर करती है नेटवर्क जिसमें अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञ हों। किसी को कॉल करने में अच्छा लगता है, किसी को टाइप करने में आदि के रुचियों के हिसाब से कार्य चुनें जिससे कार्य में सफलता पाई जा सकती है। अक्सर युवा वर्ग में समस्या देखी जाती है छोटी-छोटी बातों को लेकर बैठ जाएंगे। उन्हें लगता है कि मैं अपना जीवन चला लूंगा मुझे क्या जरूरत है? मैं उनसे कहना चाहूंगा कि अहं की भावना को छोड़ या लोक निंदा का भय छोड़ कर अपने कार्य को करना चाहिए तीसरा कहने का तात्पर्य है हमें व्यापक दृष्टिकोण के साथ छोटे दृष्टिकोण को साथ लेकर कार्य करना चाहिए।

जब भी हम कोई कार्य करें तो अधिक प्रसिद्धि के पीछे मत भागें क्योंकि आपका कार्य अच्छा होगा, अच्छे संबंध होंगे तो प्रसिद्धि तो देर सबेर मिल ही जाएगी। मैं अपना व्यक्तिगत अनुभव बताऊं तो तकरीबन सागर जिले में 5.50 लाख लोगों में से 1.25 लाख लोग न्यूज़ पेपर पढ़ते हैं। 4.50 ऐसे लोग जिनके जीवन में हम परिवर्तन लाने का कार्य कर रहे हैं । उन तक यह खबर पहुंच ही नहीं पाती न्यूज़ आना जरूरी है पर न्यूज आने से प्रोजेक्ट पूरा नहीं हो जाता। प्रोजेक्ट पूरा तभी होता है जब हम सभी लोगों तक पहुंचे। उसके लिए एक पूरे नेटवर्क के साथ कार्य करें। सबसे पहले हमें अपने कार्य उसके पश्चात प्रचार-प्रसार पर पर्याप्त ध्यान देना चाहिए क्योंकि प्रचार प्रसार की अपनी सीमाएं होती हैं। अगर मैं निजी तौर पर कहूं तो प्रचार प्रसार से अधिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। संबंध ही काम आते हैं । प्रचार प्रसार में प्रायः यह गलतियां हो जाती हैं कि

किसी मुख्य व्यक्ति का नाम ही आता है तो उस व्यक्ति से लोग दूर होने लगते हैं। उन्हें लगता है कि काम सबने किया नाम एक व्यक्ति का हो रहा है। इस बात का ध्यान प्रचार प्रसार में रखा जाना चाहिए कि टीम सदस्यों के नाम एवं कार्य से संबंधित लोगों के नाम जरूर प्रचार प्रसार होने चाहिए। जब उन्हें लगता है काम के साथ नाम जोड़ा गया है तो वह दोगुने उत्साह के साथ कार्य करते हैं।

जीवन में चौथा महत्वपूर्ण स्थान है समय प्रबंधन का। निकला हुआ समय जो किसी भी कीमत पर नहीं लौटाया जा सकता। आज युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह बन गई है कि देर रात तक जागना तथा देर सुबह तक सोना। हम कुछ भी कर सकते हैं लेकिन प्रकृति के विरुद्ध जाकर नहीं । हम देखते हैं कि सूर्योदय के साथ कितने बदलाव आते हैं, हमारे शरीर में कितने बदलाव आते हैं यह बहुत महत्वपूर्ण है। सूर्योदय पूर्व उठकर शारीरिक गतिविधियां, योगा, दौड़ना, तैरना आदि करनी चाहिए। आप पाएंगे कि पूरा दिन ऊर्जा से भरा रहता है। समय प्रबंधन से जीवन में कितना बदलाव आता है । समाज सेवा ईश्वर का कार्य है। अगर आप ईश्वर का कार्य करते हैं तो वह आपकी मदद जरूर करता है। कई बार ऐसी परिस्थितियां होती है कि हमें लगता है कि मेरे लिए बहुत खराब परिस्थिति हैं पर उसमें कुछ अच्छा रहस्य छुपा होता है। उदाहरण के लिए कोरोना के सकारात्मक पहलुओं के साथ ही नकारात्मक पहलु भी है । सकारात्मक पक्ष में कई चीजों का एहसास करवाया है कि हम कैसा जीवन जी रहे हैं। उस जीवन में हमें स्वयं के लिए भी समय नहीं है। परिवारों में एक साथ रहने का समय मिला, प्रौद्योगिकी में तेजी आई। आज से एक डेढ़ साल पहले वेबीनार लाइव मीटिंग करना कितना मुश्किल लगता था। आज यह सब आसानी से कर पा रहे हैं, जो व्यर्थ का समय, धन चला जाता था बच रहा है।

मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव का साझा करूं तो मैं पहले क्रांतिकारी विचारधारा का था। कहीं कुछ गलत देखा तो विरोध किया पर उससे कुछ ज्यादा अच्छा नहीं कर पाया। उससे समाज में कोई बदलाव नहीं ला पाया था। समाज में जो आज बदलाव प्रेम और विश्वास से ला पाया हूं वह विरोध से नहीं ला पाए। मैंने अपने जीवन में प्रेम और विश्वास से बहुत कुछ हासिल किया।

जीवन में हम हमेशा कुछ अच्छा करने को तैयार रहें। हमेशा सकारात्मक रहें, अपना काम ईमानदारी से करें। जीवन में हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, उनसे हमेशा सीखें। मुझे बहुत अच्छा लगा आपने मुझे मौका दिया, मुझे सुना। मुझे उम्मीद है आप सभी ने इस बैठक में बहुत कुछ सीखा होगा। अतः आप सभी के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं, बधाई। आप सभी जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहें।

इंटर्नशिप के माध्यम से युवाओं ने व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कर विकास में दिया योगदान

देहरादून की यूपीईएस यूनिवर्सिटी की पहल पर विचार समिति द्वारा 25 छात्रो को इंटर्नशिप करवाई गई। इंटर्नशिप में छात्रों ने 4 अनुभवी मार्गदर्शकों के नेतृत्व में 4 विभिन्न परियोजनाओं पर काम किया जिसका विवरण इस प्रकार है।

1.बीज बॉल प्लांटेशन परियोजना

मार्गदर्शक - भुवनेश सोनी

डॉ. बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर किया और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। राष्ट्रीय मेरिट छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं और स्कूल टॉपर (केवी-एमआरएन, मथुरा) रहे हैं।

डीसीपीसीआर, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, संस्कृति मंत्रालय, इंडियन सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी नेटवर्क्स और मैकसन ग्रुप ऑफ कंपनीज के साथ विभिन्न पदों पर काम किया है।

इंटर्न-

1. आशका विश्वकर्मा
2. दिव्यांश तिवारी
3. श्रेया कश्यप
4. युवराज शर्मा
5. रिद्धेय व्यास
6. सौम्या थपलियाली

विवरण- वृक्षारोपण की यह विधि शहर के बाहर दूरदराज के क्षेत्रों में उपयोगी है जहां पानी, उर्वरक आदि के रूप में पौधे को रखरखाव प्रदान करना संभव नहीं है। यह एक कम प्रयास, कम रूपांतरण दर मॉडल है। बीच-बीच में एक बीज से मिट्टी और खाद का गोला बनाने में एक मिनट से भी कम समय लगता है और बस उसे बंजर जमीन पर फेंक दें। जबकि नर्सरी से 4-5 फीट के पौधे की लागत लगभग 100 रुपये होती और इसे लगाने के लिए प्रयास की आवश्यकता होती जैसे जमीन में गड्ढा खोदना। एक बीज बॉल की कीमत एक रुपये से भी कम होती है और इसे बनाने में एक मिनट से भी कम समय लगता है। जैसे बंजर जमीन पर। विचार समिति के पिछले सीड बॉल प्लांटेशन में 1 लाख सीड बॉल फेंके गए थे, जिसमें से 14800 पौधे उग आए हैं।

2. स्वाभिमानी समूह परियोजना

मार्गदर्शक- अन्नपूर्णा देवी

गुजरात नेशनल लॉ स्कूल से कानून में स्नातक हैं और पूर्व गूंज साथी हैं। वर्तमान में सामाजिक क्षेत्र में काम कर रही है और आजीविका और महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं पर काम करने का अनुभव है। इसके अलावा ग्रामीण और आदिवासी गांवों में जमीनी स्तर पर काम किया है। वह शिक्षा की नैतिकता पर मास्टर कार्यक्रम के लिए ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स में शामिल होंगी।

इंटर्न-

1. अनुष्का शर्मा
2. चिन्मय भूरा
3. ध्रुव यादव
4. शैली गुप्ता
5. तनुल सिंह
6. यशस्वी तिवारी
7. अनन्या नारंग

विवरण – विचार समिति 18 स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी है, जिनमें से 13 ने तीन महीने पहले अपना पंजीकरण कराया था। विचार समिति समय-समय पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं, जागरूकता शिविर आयोजित करके और रोजगार के अवसर पैदा करके उन्हें सुविधा प्रदान करने का काम करती है। लंबे समय में हमारा लक्ष्य उन्हें स्थायी छोटे व्यवसाय स्थापित करने में मदद करना है। विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड का सुनियोजित विकास करना है। समिति का उद्देश्य नागरिकों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना, लोगों की सोचने की क्षमता बढ़ाना, उन्हें अपने जीवन के निर्णय विकास की दृष्टि से लेने को प्रेरित करना, आवश्यक विषयों पर जागरूकता लेकर लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

एसएचजी रोजगार विकल्प

- स्क्रंची (हेयर टाई)
- बेकार कागज को फिर से उपयोग में लाना
- पेपर बैग
- रुई पैड
- हस्तनिर्मित मोमबत्तियां
- जामुन के बीज का पाउडर बनाना
- गुलाब जल
- आंवला पाउडर
- नीम पाउडर बनाना

3. संपूर्ण शिक्षा अभियान

मार्गदर्शक - रुचि शर्मा

एक डिजिटल मीडिया रणनीतिकार उसे

परिभाषित करेगा जो ऐसी सामग्री बनाता है जो प्रेरित करती है, संलग्न करती है और सशक्त बनाती है। पहले एक विज्ञापन एजेंसी के साथ काम किया जो फिल्म पीआर के साथ-साथ राजनेताओं के लिए ऑनलाइन प्रतिष्ठा प्रबंधन को संभालने के लिए है। साथ ही समाज में योगदान देने के लिए (सेवा) ने सीएसआर की भावना से कर्नाटक, राजस्थान और महाराष्ट्र में वॉश परियोजनाओं को लागू करने के लिए गैर सरकारी संगठनों, देशपांडे फाउंडेशन और अटल इनक्यूबेशन मिशन के साथ काम किया। वर्तमान में एक सामाजिक उद्यम के साथ काम कर रहा है जो कॉमिक्स और वेब श्रृंखला के माध्यम से यौन और मानसिक स्वास्थ्य के आसपास की वर्जनाओं को तोड़कर किशोरों के लिए सामाजिक और भावनात्मक शिक्षण उपकरण बनाता है।

इंटर्न-

1. अनुष्का शर्मा (डिजाइन)
2. अश्विनी सांकलिया
3. दिव्यांश जैन
4. नवांश जैन
5. पुलकित मित्तल
6. तनीषा कौर

विवरण- बहुत से वंचित परिवारों के बच्चे कोविड स्थिति से पहले भी नियमित रूप से स्कूल नहीं जाते थे और जब स्कूल बंद होते थे, तो वे शिक्षा से पूरी तरह से कट जाते थे। पहले कोविड लॉकडाउन के दौरान, विचार आईएसआरएन (इंडियन सोशल रिस्पॉन्सिबिली नेटवर्क) के 'अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान' में शामिल हुए जिसके तहत 50 प्रेरकों ने 710 वंचित बच्चों को पढ़ाया। इसका उद्देश्य न केवल उन्हें शिक्षा प्रदान करना था बल्कि उन्हें अध्ययन के लिए प्रेरित करना भी था। अब विचार समिति वंचित बच्चों के लिए ऐसे अन्य ब्रिज प्रोग्राम तैयार करने की सोच रही है जो उन्हें मूल बातें (जैसे एसटीईएम शिक्षा) सिखाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और उन्हें औपचारिक शिक्षा प्रणाली में फिट होने के लिए तैयार करते हैं। रचनात्मक शिक्षण तकनीकों का उपयोग करने पर जोर दिया जाता है जैसे कि करके सीखना और सहकर्मी से सीखना।

4. स्वास्थ्य मित्र अभियान

मार्गदर्शक- आकांक्षा मलैया

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से कानून में स्नातक किया है। वर्तमान में राष्ट्रम स्कूल ऑफ पब्लिक लीडरशिप में शिक्षार्थी हैं। 2016 से विचार समिति नामक एक गैर सरकारी संगठन की सचिव हैं।

जहां वह स्थानीय सरकार के अधिकारियों, 300 शैक्षणिक संस्थानों और 350 अन्य गैर सरकारी संगठनों/क्लबों के समन्वय में 12,500 परिवारों के स्लम एरिया नेटवर्क के लिए परियोजनाओं की योजना और आयोजन का सफल संचालन किया। वह सामाजिक हस्तक्षेप के माध्यम से मध्य प्रदेश के सागर जिले में 360 डिग्री विकास करना चाहती हैं।

इंटर्न- 1. अंशिका जैन
2. आयुष पाटीदार
3. तनिष्का जैनी
4. उत्कर्ष कुमार
5. वंशिका बैरागी
6. अनुष्का चक्रवर्ती

विवरण - राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य मित्र अभियान से प्रेरणा लेते हुए जो अपने इलाके की स्वास्थ्य स्थितियों में सुधार करना चाहते हैं। हम उन स्वयंसेवकों को बुला सकते हैं। एनजीओ उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर साप्ताहिक प्रशिक्षण दे सकता है और वे तदनुसार जागरूकता पैदा कर सकते हैं या उन समस्याओं से पीड़ित लोगों की मदद कर सकते हैं। इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए एनजीओ के पास 100 घरों के मुहल्लों के साथ एक मौजूदा संरचना है, जिसमें प्रत्येक में 10 स्वयंसेवक + एक समन्वयक है।

तदनुसार एक स्वास्थ्य मित्र 100 घरों के लिए जिम्मेदार होगा, जिनकी जानकारी और पृष्ठभूमि हमारे पास पहले से ही है।

स्वतंत्रता दिवस पर होगा 1100 जगह झंडा वंदन

चित्र 1 में विचार कार्यालय में झंडावंदन की तैयारियों की रिहर्सल करते हुए पदाधिकारीगण। चित्र 2, 3 और 4 में पिछले साल की स्वतंत्रता दिवस की झलकियां।

विचार समिति स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सागर में 1100 जगह झंडा वंदन का आयोजन कर रही है। इस आयोजन की सभी तैयारियां विचार कार्यालय में जोर-शोर से चल रही हैं।

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि हर वर्ष 15 अगस्त के मौके पर स्वतंत्रता दिवस पर हम लोग झंडा वंदन एवं स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम देखते हैं वह सौभाग्यशाली होते हैं उन्हें सामने झंडा वंदन होते हुए देखने का मौक़ा मिलता है। अधिकांश लोग टीवी पर स्वतंत्रता दिवस, परेड, झंडा वंदन इत्यादि देखकर प्रसन्न होते हैं एवं अपने को सौभाग्यशाली मानते है। बहुत सारे लोगों के मन में दबी इच्छा रहती है कभी हम को भी झंडा वंदन करने का मौक़ा मिले।

दोस्तों राष्ट्रीय ध्वज को अपने हाथ से फहराना एक अलग अनुभव होता है। राष्ट्र के प्रति अलग प्रेम, अलग गौरव अपने अंदर उमड़ता है। यही मौका आपको मिले इस सोच के साथ विचार समिति ने इस वर्ष ग्यारह सौ जगह झंडा वंदन करने का निर्णय किया है।

मित्रों 17 किलोमीटर लंबी विश्व की सबसे लंबी तिरंगा मानव श्रंखला बनाकर आप सब पैतीस हज़ार लोगों ने मिलकर इतिहास रचा था। अब पुनः हम सब के पास मौका है ग्यारह सौ जगह एक साथ झंडा वंदन कर फिर से इतिहास रचने का।

इस अवसर पर विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि समिति राष्ट्रीय ध्वज आपको प्रदान करेगी। अच्छी से अच्छी व्यवस्था बनाकर अपने मित्रों, परिवारजनों एवं अन्य साथियों के साथ आपको 15 अगस्त को नियत समय पर अपने स्थान पर उत्साहपूर्वक झंडा वंदन करना है। झंडा वंदन कार्यक्रम का एक मिनट का वीडिओ एवं दो अच्छे फोटो आप को अपने संचालक को भेजना है।

झंडा वंदन कार्यक्रम को सुसज्जित सुव्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से सम्पन्न करिए। कार्यक्रम की उत्कृष्टता के आधार पर विचार समिति के निर्णायक मंडल द्वारा प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि झंडावंदन सुबह 9 बजे किया जाएगा। झंडावंदन के तुरंद बाद राष्ट्रगान गाया जाएगा। झंडे को अच्छे से बांधा जाना चाहिए जिससे वह नीचे नहीं झुके।

सीडबॉल ले रहे जंगल का आकार

विचार समिति ने दो वर्ष पहले रोपे थे 1 लाख 11 हजार 111 सीड बॉल, बन गए 14 हजार 800 पौधे

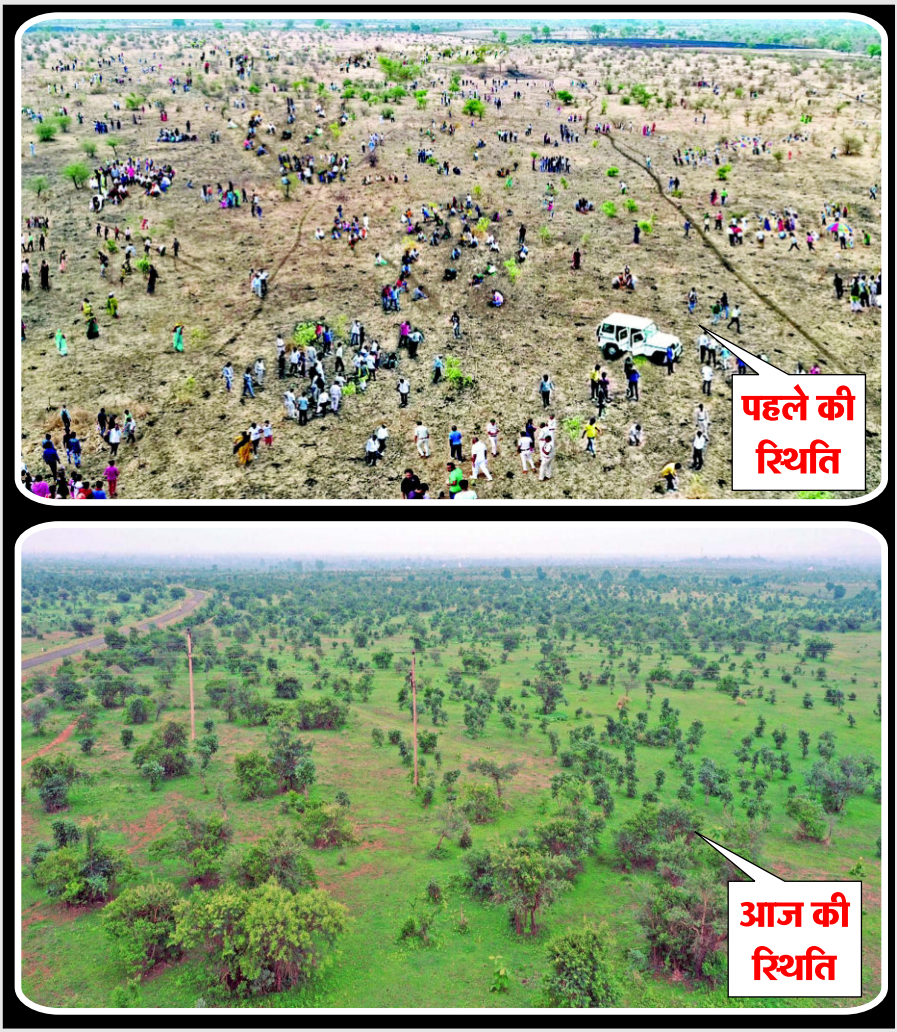

जंगल, जल और संरक्षण के लिए दो वर्ष पूर्व 24 जून 2019 को विचार समिति, दक्षिण वनमंडल व दैनिक भास्कर के संयुक्त तत्वावधान में दस हजार लोगों द्वारा राजघाट के कैचमेंट एरिया में 1 लाख 11 हजार एक सौ ग्यारह ऐतिहासिक सीड बॉल का रोपण किया गया था। पिछले वर्ष इस सीड बॉल से 14 हजार 800 पौधे हो गए थे जिन्होंने आज बड़े होकर एक जंगल का रूप ले लिया है। आज विश्व के पर्यावरण को बचाने के लिए ऐसे संयुक्त प्रयासों की जरूरत है।

विचार कार्यालय में स्व सहायता समूह की बैठक हुई

समूह का उद्देश्य परस्पर सहयोग से महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें : रूपेश खरे

स्व सहायता समूह की महिलाओं को समझाते हुए नगर निगम के रूपेश खरे।

विचार समिति द्वारा संचालित विचार स्व सहायता समूह की दो दिवसीय बैठक विचार कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने कहा कि स्व सहायता समूह में कार्य करने के कारण महिलाओं में स्व निर्णय की शक्ति, जानकारी तथा संसाधनों की उपलब्धता, आर्थिक आत्मनिर्भरता, कौशल विकास में वृद्धि होगी। आर. ओ. संस्था के सदस्य रूपेश खरे एवं नगर निगम से दुर्गा रानी उपस्थित थी। बैठक का मुख्य विषय बचत, बैठक कार्यवाही एवं प्रशिक्षण की जानकारी दी गई । प्रेरक आर. ओ. रूपेश खरे ने बैठक में बताया कि समूह की सफलता समूह के सदस्यों पर निर्भर करती है। समूह का उद्देश्य परस्पर सहयोग से महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जुड़कर जीवन स्तर में सुधार ला सकें। सरकार के द्वारा 3 माह पश्चात समूह को अनुदान के तौर पर दस हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है साथ ही महिलाएं बचत के तौर पर दस हजार रुपये और जोड़ लेती है तो बीस हजार रुपये में लघु उद्योग व्यवसाय की शुरुआत की जा सकती है । साथ ही ऋण के विषय में बताया कि शासन द्वारा प्रदत्त ऋण एक

विचार समिति के कार्यालय में स्व सहायता समूह की महिलाओं को समझाते हुए समिति की सचिव आकांक्षा मलैया एवं मुख्य संगठक नितिन पटैरिया

सुविधा है न कि की छूट। ऋण का उपयोग सही लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। नगर निगम सागर से दुर्गा रानी ने कहा कि समूह की नियमित एवं निश्चित बचत जिसे समूह के सभी सदस्यों को नियमित तौर पर करनी चाहिए। बैठक में विचार स्व सहायता समूह के अध्यक्ष और सचिव उपस्थित थे।

विचार समिति द्वारा बनाए गये स्व सहायता समूह सुचारू रूप से बैठक कर रहे हैं

अंबेडकर विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष-कुंवर बाई जाटव
सचिव-वैजयंती बाई जाटव
सदस्य - रचना अहिरवार, कमला बाई जाटव, क्रांति जाटव, नंदिनी अहिरवार, चंदा अहिरवार, ज्योति अहिरवार, रजनी सोनी, हसीना बाई, शीला अहिरवार, माया जाटव, गीता गौंड़।

प्रेरणा विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष-ज्योति रैकवार
सचिव - प्रीति केशरवानी
सदस्य - नीलम पटैल, मुन्नी बाई, जनकरानी पटैल, ज्योति बाई, सियारानी, राधारानी पटैल, मीरा बाई

माँ लक्ष्मी विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष-आशा साहू
सचिव-नीलू सागर
सदस्य - रेखा पटैल, सरिता पटैल, वैजयंती बाई पटैल, ममता पटैल, तुलसा पटैल, रानी सेन, उमाबाई सेन, भगवती साहू, सुषमा साहू, लता शर्मा, रेखा शर्मा।

विनायक विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष - वर्षा घोषी
सचिव- वैजयंती बाई
सदस्य - अनीता चौधरी, सुनीता ठाकुर, आरती अहिरवार, राजबाई अहिरवार, अर्चना चौरसिया, किरण अहिरवार, गंगा कुमारी अहिरवार, सविता अहिरवार, सुहानी अहिरवार, शशि रैकवार, कमला बाई रैकवार।

आर्या विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष - शशि रैकवार
सचिव- गुड्डी बाई
सदस्य - लक्ष्मी यादव, ममता रैकवार, लक्ष्मी, राजकुमारी यादव, वंदना, प्रभा साहू, शारदा, प्रयाग बाई, रचना साहू, वर्षा रैकवार।

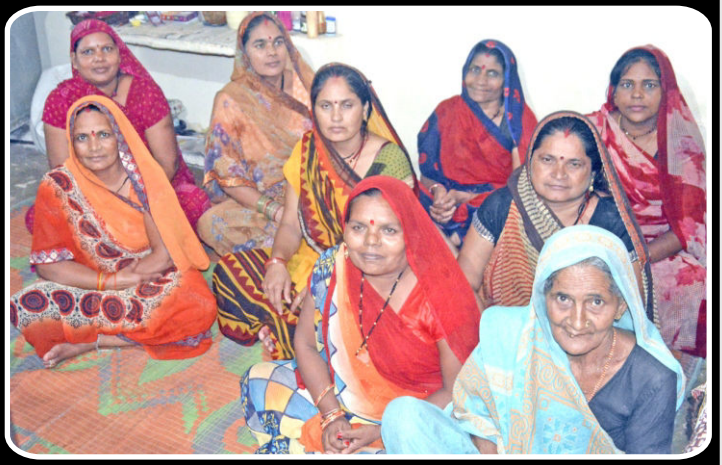

श्री राजीव विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष - रानू अहिरवार
सचिव - रचना अहिरवार
सदस्य - गेंदा रानी अहिरवार, दीपा अहिरवार, सावित्री अहिरवार, राधा अहिरवार, सविता अहिरवार, संतोष रानी अहिरवार, सीमा अहिरवार, कौशल्या अहिरवार, तारा रानी अहिरवार, मीना रानी अहिरवार, आरती अहिरवार।

सपना विचार
स्व सहायता समूह
अध्यक्ष - गायत्री बाई पटैल
सचिव- तुलसा पटैल
सदस्य - वंदना नामदेव, कौशल्या नामदेव, संगीता पटैल, शारदा नामदेव, गीता, आभा नामदेव, विमला बाई, नीलू नामदेव, निर्मला बाई, माधवी पटैल, ज्ञानी बाई, नसरीन बेगम

शीतला विचार
स्व सहायता समूह
अध्यक्ष - रीता सिलावट
सचिव- कुसुम रानी अहिरवार
सदस्य - रेखा रैकवार, सुमित्रा बाई ठाकुर, भारती अहिरवार, रानी अहिरवार, रूपवती भदौरिया, मंजू रैकवार, ममता रैकवार, सरिता यादव, विमला रैकवार।

तुलसी विचार
स्व सहायता समूह
अध्यक्ष - ममता अहिरवार
सचिव - शकुंतला अहिरवार
सदस्य - प्रेम रानी अहिरवार, विमला अहिरवार, प्रेमबाई अहिरवार, संघवंदना अहिरवार, विमला यादव, संध्या, शीलरानी, लक्ष्मीरानी, रीता नुनिया, रजनी।

तान्या विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष - लक्ष्मी सोनी
सचिव - रेखा लोधी
सदस्य - विमला तिवारी, गीता नामदेव, श्रद्धा चौरसिया, कृष्णा बाई, सुनीता सेन, अनीता चढ़ार, बसंती सेन, खुशबू तिवारी, विमला सेन, निर्मला चौरसिया

रवि विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष - मीना अहिरवार
सचिव- विमला बाई
सदस्य - पुष्पा, मालती अहिरवार, रश्मि, रूपरानी, मीरा अहिरवार, सविता, कला बाई अहिरवार, भगवती अहिरवार, उर्मिला बाई अहिरवार, चंद्ररानी अहिरवार, केशरबाई अहिरवार।

गंगा विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष - राजकुमारी रैकवार
सचिव - मंजू रैकवार
सदस्य - लक्ष्मी रैकवार, विनीता रैकवार, नीलम रैकवार, पूनम रैकवार, पार्वती रैकवार, सीमा रैकवार, ममता रैकवार, पूनम रैकवार।

एकता विचार स्व सहायता समूह

अध्यक्ष - उर्मिला वर्मा, सचिव - प्रेम बाई अदिवासी, सदस्य - सरोज बाई, सरला अहिरवार, कविता अहिरवार, सुनीता रानी अहिरवार, भारती अहिरवार, नंदिनी अहिरवार, आरती रानी अहिरवार, संगीता रैकवार, ललिता रैकवार, तुलसा बाई अहिरवार, कीर्ति।

गोबर से गणेश बनाना

विचार कार्यालय में गोबर से गणेश जी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

इस बार दीपावली की खुशियों से सराबोर करने सागर में विचार संस्था द्वारा गोबर से गणेश जी की मूर्तियां बनाई जा रही हैं। वैश्विक महामारी की वजह से प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग कम हो गया है इसके साथ ही बीमारियों को नियंत्रण करने के लिए गोबर से बने उत्पादों का उपयोग करें।

विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया इस नए उद्योग से महिलाएं अर्थव्यवस्था से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी साथ ही स्वदेशी वस्तुओं का उत्पादन कर भारत आत्मनिर्भर दिशा में आगे बढ़ेगा। प्राकृतिक वस्तुओं के उपयोग से बीमारियों से सुरक्षित एवं प्रदूषण समस्या से निजात मिलेगी। विचार समिति सदस्य सरिता गुरु ने महिलाओं को इस संबंध में प्रशिक्षण एवं जानकारी दी।

साथ ही उन्होंने बताया की गोबर से बने स्वास्तिक, वंदनवार, दीए का उपयोग करें। बहनों को इससे रोजगार भी मिलेगा यह पर्यावरण के अनुकूल भी है गोबर इको-फ्रेंडली है। हमारी प्राचीन मान्यता अनुसार पूजन में प्रथम गोबर से बने गणेश की उपासना की जाती है हम देखें धार्मिक दृष्टि से कहा जाए या पर्यावरण की दृष्टि से बहुत ही लाभदायक है। गोबर से बनी सामग्री का खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है इससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं होती है।

विजन 2025

विचार कार्यालय में विजन 2025 से जुड़े हुए सदस्यों के साथ मीटिंग हुई। मीटिंग में कपिल मलैया, राजेश मलैया आकांक्षा मलैया, सौरभ रांधेलिया, आर.के. वैद्य, समीर जैन, शैलेन्द्र राजपूत, दुष्यंत शर्मा, पुष्पेन्द्र दुबे (कुमार सागर), मनोज राय, कौशल सोनी, विनय पहलवान, नीलू सागर, विजयंत सिंघई आदि सदस्य उपस्थित थे।

विचार कार्यालय में संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया व सचिव आकांक्षा मलैया ने समिति के पदाधिकारियों के साथ विजन 2025 के संबंध में बैठक की। बैठक में निम्न विषयों पर चर्चा की गई।

- वृक्षारोपण पर आधारित एनीमेशन फिल्म बनाना
- सीड बॉल बनाना एवं उसका मटेरियल तैयार करना
- वृक्षारोपण करना
- मियावाकी वन बनाना
- गौ शाला (आजीविका ग्रामीण)
- हितग्राही मूलक वृक्षारोपण योजना
- 5 मोहल्ला टीमों में मेडिकल कैंप

विवरण :-

1. मियावाकी वन :-

- 1-2 फीट के अंतराल से गड्ढा
- धान का भूसा डालना
- खर्च - 60-70 रुपये प्रति वृक्ष (400*60=24000/-)
- 3 साल तक खरपतवार हटाना

2. पांच मोहल्ला टीमो में मेडिकल कैंप :-

- मोहल्ला टीमों में आँखों का चैकअप, दांतों का परीक्षण, एनीमिया आदि चीजो के टेस्ट के लिए मेडिकल कैंप लगायें जायेंगे।

3. हितग्राही मूलक वृक्षारोपण योजना :-

4. गोबर सामग्री निर्माण :-

- स्व. सहायता समूह से एवं मोहल्ला टीमों से यह सामग्री निर्माण कराई जाएगी
- गोबर गणेश मूर्ति निर्माण
- ॐ श्री स्वस्तिक निर्माण
- गणेश लक्ष्मी मूर्ति
- शुभ-लाभ (पान पत्ता, शंख, पीपल पत्ता)
- राधा-कृष्णा मूर्ति एवं अन्य सामग्री

॥विचार समिति॥
(स्थापना वर्ष 2003)

झंडावंदन कार्यक्रम (15 अगस्त 2021)

विचार समिति स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सागर में 1100 जगह झंडावंदन का आयोजन कर रही है। बहुत सारे लोगों के मन में दबी इच्छा रहती है कभी हमको भी झंडावंदन करने का मौका मिले। यही मौका आपको मिले, इस सोच के साथ विचार समिति ने झंडावंदन करने का निर्णय किया है।

कब :- 15 अगस्त 2021, दिन : रविवार, समय : प्रातः 8 से 10 के बीच में।

कहां :- निज निवास अथवा मोहल्ला सार्वजनिक स्थल।

किसके साथ :- कार्यक्रम को महिला या पुरूष के माध्यम से परिवार के सदस्य, इष्टमित्र, मोहल्ला परिवार, वरिष्ठ नागरिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार, शिक्षक, डॉक्टर, वकील, सैनिक परिवार आदि के साथ झंडावंदन उत्साह पूर्वक करें।

कैसे :- झंडावंदन कार्यक्रम को सुसज्जित, सुव्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से संपन्न करिए। विचार समिति की निर्णायक मंडल टीम द्वारा चयनित प्रतियोगी को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

अपील :- 1. कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए कार्यक्रम संपन्न करें।

2. झंडावंदन का समय सुबह 8 से 10 तथा शाम 6 बजे तक झंडा उतारने का विशेष ध्यान रखें।

3. झंडावंदन कार्यक्रम में संस्था की ड्रेस, कैप, विचार पर्यावरण चित्र, पेटिंग झंडावंदन के पीछे यदि कोई दीवाल है तब चित्रकारी और पेटिंग से सुसज्जित करें अथवा झंडावंदन वाले स्थान पर रंगोली इत्यादि से भी तैयार कर सकते हैं।

4. समिति द्वारा प्रत्येक 100 झंडावंदन पर एक प्रभारी नियुक्त किया गया है जिन्हें सुव्यवस्थित एक मिनिट का वीडियो व दो फोटो प्रभारियों के वाट्सऐप नंबर पर भेजें ताकि प्रतियोगिता निर्णायक मंडल को पुरस्कृत के चयन करने में आसानी हो सके।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 17-07-2021

धर्म . समाज . संस्था
दैनिक भास्कर सागर, शनिवार, 17 जुलाई, 2021

राजघाट में आकार ले रहा नया जंगल

सागर | जंगल और जल संरक्षण के लिए 24 जून 2019 को विचार समिति, दक्षिण वनमंडल व दैनिक भास्कर के संयुक्त तत्वावधान में 10 हजार लोगों ने राजघाट के कैचमेंट एरिया में 1 लाख 11 हजार 111 सीड बॉल का रोपण किया गया था। पिछले वर्ष इस सीड बॉल से 14 हजार 800 पौधे हो गए थे, जो अब और बड़े होकर एक जंगल का रूप ले रहे हैं। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मनुष्य एक दिन में लगभग 550 लीटर आक्सीजन ग्रहण करता है। एक लीटर ऑक्सीजन का मूल्य लगभग 20 रुपए आता है। प्रकृति व पेड़ पौधों से हम 21 से 22 हजार रुपए की ऑक्सीजन दिनभर में निःशुल्क लेते हैं। तो हमारा नैतिक दायित्व बनता है कि हम प्रकृति में पेड़ पौधे लगाकर निःशुल्क मिलने वाली ऑक्सीजन का ऋण चुकाएं। इसी सोच के तहत हमने यह सीडबॉल रोपित करने का महाअभियान किया था।

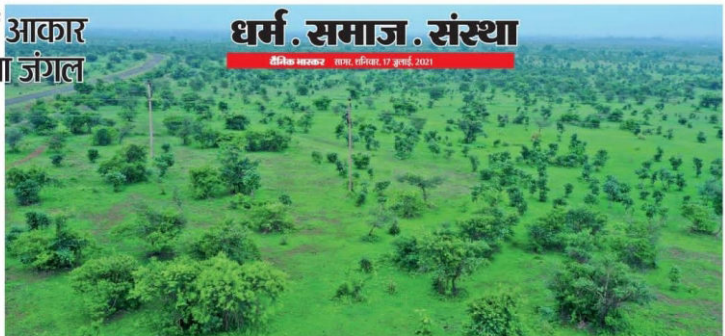

विचार समिति, दक्षिण वनमंडल व दैनिक भास्कर के संयुक्त तत्वावधान में 10 हजार लोगों ने वर्ष 2019 में लगाई थी सीड बॉल। अब यहां पेड़ ही पेड़ नजर आ रहे हैं। चारों ओर हरियाली छा गई है।

दो साल पहले रोपे थे 1 लाख 11 हजार सीड बॉल, 14 हजार 800 पौधे बन रहे पेड़

दो साल पहले राजघाट के पास पौधे लगाते लोग।

शहर की 65 संस्थाओं ने दिया था योगदान

समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया शहर की 65 संस्थाओं व विचार समिति के 125 मोहल्ला समितियों के परिवारों ने सीड बॉल निर्माण किया था। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि इस महाअभियान के लिए राहतगढ़ ब्लाक के मनेशिया गांव के लोगों ने मिट्टी तैयार की थी और किशनपुरा गांव के एक किसान ने खाद। मार्गदर्शक श्रीयांश जैन ने बताया कि इस नवीन तकनीकी से पौधरोपण से होने वाले व्यय को तो बचाया ही जा सकता है साथ ही साथ इससे पौधे भी जल्दी विकसित हो गए हैं।

॥ विचार समिति ॥

(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti

Bank- State Bank of India

Account No.- 37941791894

IFSC code- SBIN0000475

Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए QR कोड को स्कैन करें.

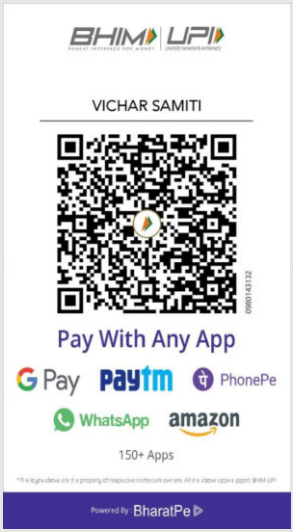

- संपर्क -

Website : vicharsanstha.com
Facebook : Vichar Sanstha
Youtube : Vichar Samachar
Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488
Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002